

चल श्याम धणी के द्वार | By Rajendra Agrawal DEI

चल श्याम धणी के द्वार तू मौज करेगा
जो मिलते मुश्किल से तू रोज करेगा

परेशान मन को समझा सांवरा है साथ में
लेख वो लिखने वाला क्या है तेरे हाथ में
दुःख मिट जाएंगे श्याम जब हाथ धरेगा
चल श्याम धणी के द्वार

खोट नहीं जिस मन में उसकी ही सुनता वो
होता वही फिर प्यारे करता कन्हैया जो
बदले दुनिया सारी वो ना बदलेगा
चल श्याम धणी के द्वार

तड़पा जो मिलने खातिर उसने ही पाया है
श्याम सांवरे ने खुद में मीरा को समाया है
राजू पे कर उपकार वो सबसे कहेगा
चल श्याम धणी के द्वार

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a7%e0%a4%a3%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-rajendra-agrawal-dei/>